

FORM No. III

APP-A
Form-I

फर्द अहकाम

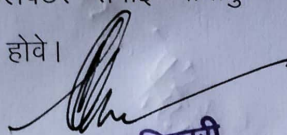
(नियम 26)

2022/27

अज अदालत - राजेश्वर अपील प्राधिकारी, सवाई माधोपुर मुकाम - सवाई माधोपुर

कार्यालय अज अदालत बराम राजेश्वर अज अदालत
किरम मुकदमा 223 K.T.A. मुकदमा नं. 50/22/

तारीख 26/11	हुक्म या कार्यावाही मम इनिशियलस जज अपीलांत अधिवक्ता उपस्थित। अपील बाब जीव रिपोर्ट होकर पेश	नम्बर व तारीख अहकाम जो हुक्म हुक्म की तारीख में जारी हुए
	<p>हुई। अपील दर्ज रजिस्टर हो। तहत न्यायालय का रिकार्ड तलब ही। अपीलांत अधिवक्ता को अपील के एडमिशन पर सुना गया। अपीलाधीन आदेश का अवलोकन किया गया। अपीलांत अधिवक्ता का कथन रहा है कि अधिनस्थ न्यायालय द्वारा निर्णय पारित किये जाने से पूर्व रेस्पोंड संख्या 3 व 14 फाँत हो चुके थे। उनके विधिक कारिरान को अधिनस्थ न्यायालय द्वारा बिना रिकार्ड पर लिये ही निर्णय पारित किया गया है। अधिनस्थ न्यायालय द्वारा केवल मात्र पटवारी हल्का से प्राप्त तकासमा स्कीम को आधार बनाकर ही निर्णय पारित किया गया है। पटवारी हल्का द्वारा तैयार तकासमा स्कीम पर केवल मात्र वादीगण की उपस्थिति में तैयार की गई है जिसमें प्रतिवादीगण की ओर से किसी के हस्ताक्षर नहीं है जबकि अपने निर्णय में अधिनस्थ न्यायालय ने अंकित किया है कि उभयपक्ष की बहल पर मनन किया तकासमा स्कीम का अवलोकन किया। प्राप्त तकासमा स्कीम में किसी को कोई आपत्ति नहीं है। उसी अनुसार हाल नक्शा ट्रेस में हरे रंग से वादीगण की भूमि तथा पीले रंग से प्रतिवादीगण की भूमि का अंकन किये जाने के आदेश पारित किये गये हैं। अधिनस्थ न्यायालय द्वारा अपने निर्णय में अंकित किया है कि विभाजन स्कीम पर वादीगण एवं प्रतिवादीगण के हस्ताक्षर होने से उभयपक्षों की उपस्थिति में विभाजन स्कीम तैयार किया जाना पाया गया है।</p> <p>जबकि पत्रावली में संलग्न विभाजन स्कीम के अवलोकन से स्पष्ट है कि विभाजन स्कीम पर केवल मात्र वादीगण के हस्ताक्षर हैं प्रतिवादीगण की ओर से किसी के हस्ताक्षर नहीं हैं। इस प्रकार अधिनस्थ न्यायालय के निर्णय में विरोधाभास प्रकट होता है। अधिनस्थ न्यायालय को निर्णय विधि के विरुद्ध जाकर पारित किया</p>	

<p>रीख कम</p>	<p>हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर व अहकाम हुकम की त जारी</p>
	<p>जाना पाया गया है। अतः प्रकरण अधिनस्थ न्यायालय को प्रतिप्रेषित किया जाना न्याय संगत है।</p> <p>अतः अपील अपीलान्ट आंशिक स्वीकार की जाकर अधिनस्थ न्यायालय उप जिला कलेक्टर सवाई माधोपुर के मु0न0 21/12 निर्णय व डिक्री दिनांक 11.02.2020 को अपास्त किया जाकर प्रकरण अधिनस्थ न्यायालय को इन निर्देशों के साथ प्रतिप्रेषित किया जाता है कि प्रकरण मे उभयपक्ष को विधिवत रूप से नोटिस जारी कर उभयपक्ष की मौजूदगी मे स्वयं तहसीलदार मौके पर जाकर तकासमा स्कीम तैयार कराई जाकर पुनः विधि सम्मत निर्णय पारित करे। उभयपक्ष को पाबन्द किया जाता है कि वे अधिनस्थ न्यायालय उप जिला कलेक्टर सवाई माधोपुर के यहाँ दिनांक 16.08.2022 को उपस्थित होवे।</p> <p style="text-align: center;">  राजस्व अपील प्राधिकारी सवाई माधोपुर </p>	